International Journal of Multidisciplinary Research and Development
Online ISSN: 2349-4182, Print ISSN: 2349-5979, Impact Factor: RJIF 5.72
www.allsubjectjournal.com
Volume 3; Issue 8; August 2016; Page No. 08-17

विगर्त 5 वर्षो मे सर सुन्दरलाल चिकित्सालय मे हुऐं प्रसव का एक सांख्यिकीय विश्लेषण

[1] डॉ0 संदीप कुमार शर्मा, [2] मकबूल आलम, [3] डॉ0 अजय सिंह

[1] सांख्यिकी सहायक, सर सुन्दरलाल चिकित्सालय, बी.एच.यू., वाराणसी, उत्तर प्रदेश, भारत।
[2] चिकित्सा अभिलेख सहायक, सर सुन्दरलाल चिकित्सालय, बी.एच.यू., वाराणसी, उत्तर प्रदेश, भारत।
[3] चिकित्सा अभिलेख अधिकारी, सर सुन्दरलाल चिकित्सालय, बी.एच.यू., वाराणसी, उत्तर प्रदेश, भारत।

सारांश
प्रस्तुत अनुसंधान लेख में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के चिकित्सा विज्ञान संस्थान के सर सुन्दरलाल चिकित्सालय में हुऐ प्रसव के आँकड़ो को उल्लेखित किया गया है। चिकित्सालय की स्थापना महामना पंड़ित मदनमोहन मालवीय जी द्वारा रोंगों से पीड़ित जनता की सेवा के लिए किया गया था तथा सन् 1926 में प्रथम कुलपति श्री सर सुन्दरलाल जी की स्मृति में इस चिकित्सालय का उद्घाटन हुआ यहाँ पर पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश से मरीज अपना इलाज कराने आतें है।

कूट शब्द: भारतीय चिकित्सा पद्धति, आधुनिक चिकित्सा पद्धति, बहिरंग विभाग, प्रसव की संख्या, प्रसव की प्रक्रिया, नवजात शिशु का लिंग, माताओं की आयु के अनुसार प्रसव की संख्या इत्यादि।

भूमिका
शिशु का जन्म माँ–बाप के लिए एक सुखद पल होता है। प्रत्येक माँ–बाप का एक सपना होता है कि उनका बच्चा स्वस्थ्य और निरोग पैदा हो, इसलिए हर व्यक्ति चाहता है कि शिशु का जन्म एक अच्छे चिकित्सालय में कुशल डॉक्टर की देख–रेख में हो। स्वस्थ मातृत्व ही पारिवारिक जीवन का आधार है यदि स्त्री सुरक्षित है तभी परिवार भी सुरक्षित है। स्वस्थ समाज एवं राष्ट्र के निर्माण में स्त्री का महत्वपूर्ण योगदान है।
पुराने समय मे प्रसव प्रक्रिया घर पर ही दाई, आया, नर्स इत्यादि की देख–रेख मे हो जाता था जिसमें प्रसव के दौरान अत्यधिक पीड़ा और अन्य समस्याओं का सामना करना पड़ता था और इन समस्याओं के दौरान अप्रिय घटनाऐं भी हो जाती थी। समय बदला और धीरें–धीरें, गाँव–गाँव, शहर–शहर, मे प्रसव के रोगी चिकित्सालय जानें लगे और कुशल डॉक्टर की देख–रेख में प्रसव प्रक्रिया होने लगी।
चिकित्सालय तथा औषधालय मानव सभ्यता के आदिकाल से ही बनते चले आए हैं। वेद और पुराणों के अनुसार स्वयं भगवान ने प्रथम चिकित्सक के रूप में अवतार लिया था। 5,000 वर्ष या प्राचीन काल में चिकित्सालयों के प्रमाण मिलते हैं, जिनमें चिकित्सक तथा शल्यकोविद (सर्जन) काम करते थे। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में स्थित सर सुन्दर लाल चिकित्सालय की स्थापना सन् 1926 में महामना पंडित मदन मोहन मालवीय जी ने प्रथम कुलपति श्री सर सुन्दरलाल जी की स्मृति में किया था। इस चिकित्सालय की स्थापना महामना मालवीय जी द्वारा रोगों से पीड़ित जनता की सेवा करके लिए हुई थी। वर्तमान समय में 1,250 से अधिक रोंगियों के लिए शैय्याओं की व्यवस्था है। पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखड़ तथा मध्य प्रदेश के कुछ भागों के रोगी यहा आकर चिकित्सा सेवा का लाभ उठाते हैं।

सर सुन्दर लाल चिकित्सालय
सन् 1971 मे चिकित्सा विज्ञान संस्थान अस्तित्व मे आया तो संस्थान मे दो संकाय का सृजन हुआ आधुनिक चिकित्सा एवं भारतीय चिकित्सा। सर सुन्दर लाल चिकित्सालय में आधुनिक चिकित्सा और भारतीय चिकित्सा (आयुर्वेद) दोनों ही चिकित्सा पद्धति उपलब्ध हैं। आधुनिक चिकित्सा मे गाइनिक ओ.पी.डी. के अन्तगर्त लेवर रूम अथवा मेटिनिटी वार्ड मे प्रसव सम्बधिंत मरीजों की भर्ती होती है जबकि भारतीय चिकित्सा मे प्रसूति तंत्र ओ.पी.डी. के प्रसूति वार्ड मे यह सुविधा उपलब्ध है।

(अ) आधुनिक चिकित्सा पद्धति (प्रसूति एवं स्त्री रोग)
चिकित्सालय के प्रसूति एवं स्त्री रोग ओ.पी.डी. के अन्तगर्त प्रसूति, परिवार नियोजन, कैंसर की रोकथाम, मातृ शिशु देखभाल, वृद्धावस्था स्त्री रोग और प्रजनन चिकित्सा आदि शामिल है। सारिणी 1 से स्पष्ट है कि वर्ष 2015 मे 43,604 मरीज प्रसूति एवं स्त्री रोग के अपना बहिरंग विभाग में अपना इलाज कराने आयी जिनमे से 2,270 प्रसव लेवर रूम व मेटिनिटी वार्ड में चिकित्सक की देखरेख मे हुऐं जो वर्ष 2014 मे हुए प्रसव की तुलना मे 181 अधिक है।

सांरिणी 1: चिकित्सालय में हुऐं प्रसव की संख्या

वर्ष	चिकित्सालय का प्रसूति एवं स्त्री विभाग			
	आधुनिक चिकित्सा पद्धति		भारतीय चिकित्सा पद्धति	
	ओ.पी.डी. में देखे गयें मरीजों की संख्या	कुल प्रसव	ओ.पी.डी. में देखे गयें मरीजों की संख्या	कुल प्रसव
2011	45034	1918	11989	426
2012	47249	2126	13019	466
2013	46772	1991	14172	496
2014	47217	2089	14923	524
2015	43604	2270	16593	574

ग्राफ 1 से स्पष्ट है कि आधुनिक चिकित्सा पद्धति के अन्तर्गत हुए प्रसव की संख्या निरंतर बढ़ी है परन्तु वर्ष 2013 मे प्रसव की संख्या मे कमी आयी है। वर्ष 2015 में चिकित्सालय मे कुल 2,844 प्रसव हुऐं जिनमे से 2,270 आधुनिक चिकित्सा पद्धति के अन्तर्गत मातृ तथा प्रसूति वार्ड में हुए।

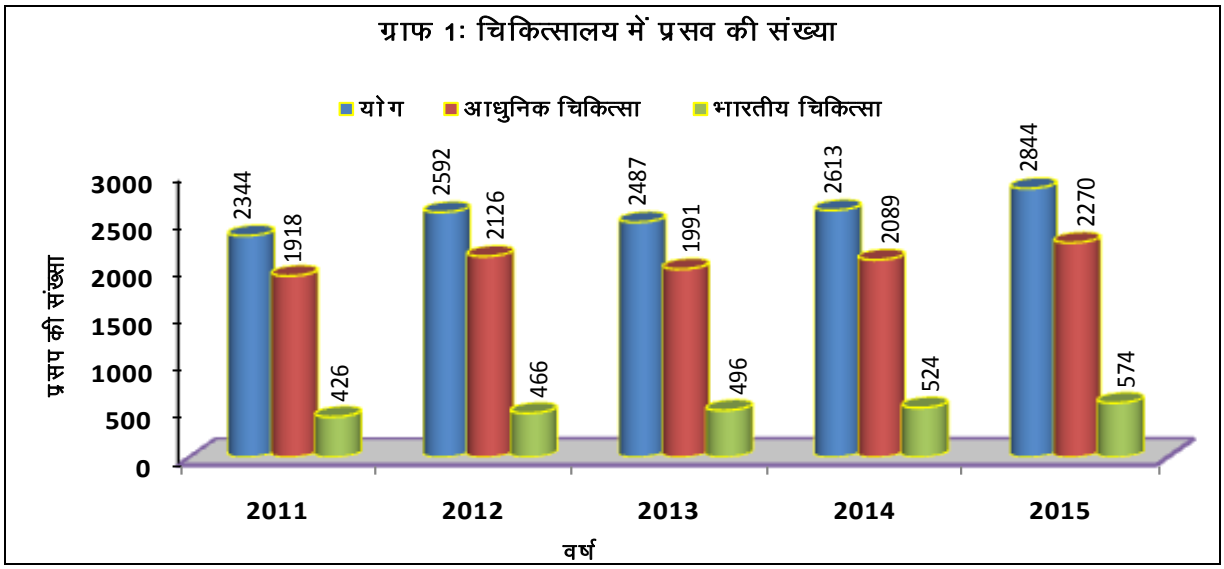

(ब) भारतीय चिकित्सा पद्धति (आयुर्वेद) (प्रसूति तंत्र) :

चिकित्सालय के अन्तगर्त बहिरंग विभाग मे गर्भियी तथा स्त्री रोगों के निदान तथा चिकित्सीय परामर्श हेतु दैनिक ओ.पी.डी. तथा आपातकालीन प्रसव तथा स्त्री रोगाों के निदान हेतु 24 घंटे कार्यरत है, जिसके अन्तगर्त सामान्य तथा शल्यकर्म द्वारा प्रसव अन्य स्त्री रोगों का आयुर्वेदीय विधि से चिकित्सा की जाती है।

आयुर्वेद के प्रसूति एवं स्त्री रोग ओ.पी.डी. मे वर्ष 2011 मे 11,989 मरीज अपना इलाज कराने आये, जिनकी संख्या प्रत्येक वर्ष बढ़ी और वर्ष 2015 मे बढ़कर 16,593 हो गयी जो विगर्त 5 वर्षो मे मात्र 4,604 बढ़ी है। ग्राफ 1 से स्पष्ट है कि आयुर्वेद मे प्रसव की संख्या मे भी निरंतर वृद्धि हुई है परन्तु यह वृद्धि प्रत्येक वर्ष कम से कम 28 प्रसव के आस–पास है। वर्ष 2011 में 426 प्रसव हुए जबकि वर्ष 2015 में 574 प्रसव के आँकड़े भारतीय चिकित्सा पद्धति के अन्तगर्त दर्ज हुए।

चिकित्सालय में हुऐं प्रसव

(अ) चिकित्सालय मे वर्षवार और उम्रवार हुऐं प्रसव की संख्या :

सांरणी 2 के अवलोकन से पता चलता है कि वर्ष 2015 में 2,844 प्रसव हुए जिनमे से 1,211 (42.58 प्रतिशत) प्रसव उन माताओं के हुए जिनकी आयु 25–29 वर्ष के बीच थी जबकि 20–24 वर्ष के आयु के बीच 1,023 (35.97 प्रतिशत) प्रसव हुए। मात्र 17 प्रसव उन महिलाओं को हुआ जिनकी आयु 40–44 वर्ष के बीच थी। पिछले 5 वर्षो मे आयु वर्ग 20–24 के बीच लगभग 35 प्रतिशत प्रसव हुए जबकि 40 प्रतिशत से ज्यादा आयु वर्ग 25–29 के बीच, 15 प्रतिशत के लगभग प्रसव आयु वर्ग 30–34 के बीच हुए। 45 वर्ष से अधिक आयु मे प्रसव की संख्या बहुत कम रही जो वर्ष 2014 व 2012 मे (0.04 प्रतिशत) तथा वर्ष 2011 में मात्र 0.13 प्रतिशत थी ।

सांरिणी 2: चिकित्सालय में हुऐं प्रसव की संख्या का वर्षवार और उम्रवार विवरण

वर्ष	चिकित्सा पद्धति	कुल प्रसव	उम्र नुसार प्रसव की संख्या (प्रतिशत में)							
			15-19	20-24	25-29	30-34	35-39	40-44	45 +	दर्ज नहीं
2011	आधुनिक चिकित्सा	1918	1.72	35.35	42.18	15.69	4.48	0.42	0.16	-
	भारतीय चिकित्सा	426	3.05	42.72	38.50	11.74	3.52	0.47	-	-
	योग	2344	1.96	36.69	41.51	14.97	4.31	0.43	0.13	-
2012	आधुनिक चिकित्सा	2126	1.93	34.85	42.24	15.33	4.28	0.47	0.05	0.85
	भारतीय चिकित्सा	466	2.36	39.91	42.70	12.02	2.79	-	-	0.21
	योग	2592	2.01	35.76	42.32	14.74	4.01	0.39	0.04	0.73
2013	आधुनिक चिकित्सा	1991	1.96	36.97	40.13	16.07	4.27	0.60	-	-
	भारतीय चिकित्सा	496	0.81	44.35	40.93	12.50	1.41	-	-	-
	योग	2487	1.73	38.44	40.29	15.36	3.70	0.48	-	-
2014	आधुनिक चिकित्सा	2089	1.24	35.47	40.55	16.23	5.51	0.48	0.05	0.48
	भारतीय चिकित्सा	524	1.15	40.08	44.47	11.26	2.86	0.19	-	-
	योग	2613	1.22	36.39	41.33	15.23	4.98	0.42	0.04	0.38
2015	आधुनिक चिकित्सा	2270	1.06	35.77	41.76	15.55	5.02	0.75	-	0.09
	भारतीय चिकित्सा	574	1.05	36.76	45.82	14.29	1.74	-	-	0.35
	योग	2844	1.05	35.97	42.58	15.30	4.36	0.60	-	0.14

ग्राफ 2 में आधुनिक चिकित्सा के अन्तगर्त हुए प्रसव की संख्या का प्रतिशत दर्शाया गया है। ग्राफ से स्पष्ट है कि आयु वर्ग 25–29 के मध्य प्रसव की संख्या अधिक रही है जो प्रत्येक वर्ष 40 प्रतिशत के आसपास है तथा आयु वर्ग 20–24 के मध्य प्रसव की संख्या 35 प्रतिशत है। 6 प्रतिशत से कम प्रसव 35–39 आयु वर्ग मे हुए है जबकि मात्र 1 प्रतिशत से भी कम प्रसव 40 वर्ष या उस से कम आयु मे हुऐं।

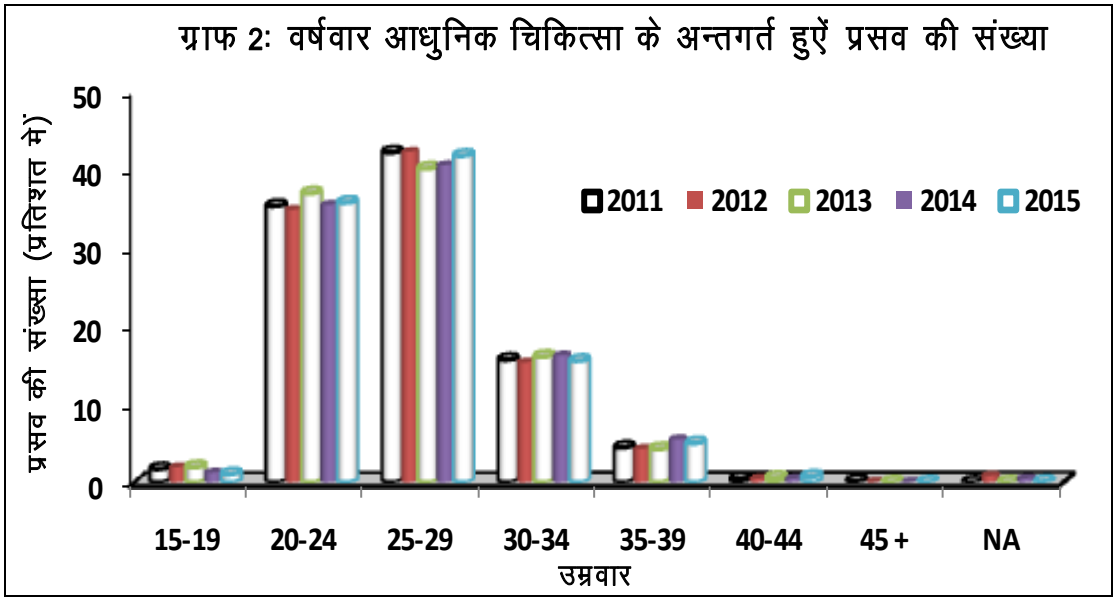

भारतीय चिकित्सा पद्धति में हुऐं प्रसव को ग्राफ 3 में दर्शाया गया है। ग्राफ से स्पष्ट है कि 36 प्रतिशत से अधिक प्रसव आयुर्वेद में आयु वर्ग 20–24 के हुए जबकि आयु वर्ग 25–29 के मध्य 40 प्रतिशत से अधिक हुए केवल 11 प्रतिशत से अधिक प्रसव आयु वर्ग 30–34 के बीच प्रत्येक वर्ष हुऐं।

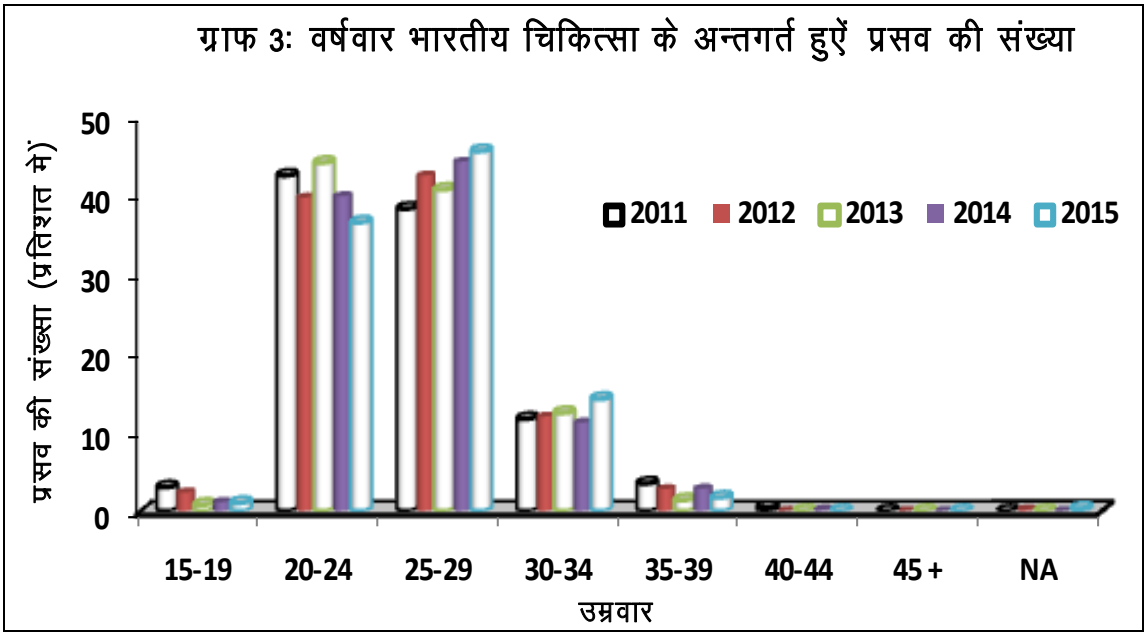

(ब) चिकित्सालय मे वर्षवार और प्रसव प्रकिया के आधार पर प्रसव की संख्या :

चिकित्सालय मे सामान्यतः दोनों ही चिकित्सा पद्धति के अन्तर्गत आपरेशन (सिजेरियन) के द्वारा अथवा सामान्य (नॉर्मल) प्रसव होता है। सारणी 3 में वर्षवार प्रसव प्रकिया के आधार पर प्रसव की संख्या को दर्शाया गया है।

सांरिणी 3: चिकित्सालय में हुऐं प्रसव प्रकिया की संख्या

वर्ष	चिकित्सा पद्धति	कुल प्रसव	प्रसव प्रक्रिया		
			सिजेरियन प्रसव	सामान्य प्रसव	दर्ज नहीं
2011	आधुनिक चिकित्सा	1918	52.35	47.65	-
	भारतीय चिकित्सा	426	43.19	56.81	-
	योग	2344	50.68	49.32	-
2012	आधुनिक चिकित्सा	2126	51.79	48.21	-
	भारतीय चिकित्सा	466	58.8	41.2	-
	योग	2592	53.05	46.95	-
2013	आधुनिक चिकित्सा	1991	51.68	48.17	0.15
	भारतीय चिकित्सा	496	64.31	35.69	-
	योग	2487	54.2	45.68	0.12
2014	आधुनिक चिकित्सा	2089	55.43	44.57	-
	भारतीय चिकित्सा	524	68.89	31.11	-
	योग	2613	58.13	41.87	-
2015	आधुनिक चिकित्सा	2270	54.85	45.11	0.04
	भारतीय चिकित्सा	574	67.77	32.23	-
	योग	2844	57.45	42.51	0.04

वर्ष 2015 मे कुल 2844 प्रसव हुए जिनमें से 1,634 (57.45 प्रतिशत) सिजेरियन तथा 1,209 (42.51 प्रतिशत) प्रसव है। वर्ष 2011 मे कुल 2,344 प्रसव में से 1,188 (50.68 प्रतिशत) सिजेरियन प्रसव तथा 1,156 (49.32 प्रतिशत) सामान्य प्रसव हुए। वर्ष 2011 से सिजेरियन प्रसव मे निरंन्तर वृद्धि हुई इसके विपरीत वर्ष 2011 से वर्ष 2014 तक सामान्य प्रसव में कमी दर्ज हुई अर्थात सिजेरियन प्रसव ज्यादा हुऐ।

सर सुन्दरलाल चिकित्सालय मे हुऐं प्रसव के आँकड़ो को प्रसव प्रकिया के आधार पर ग्राफ 4 में दर्शाया गया है। आधुनिक चिकित्सा पद्धति में सिजेरियन प्रसव की प्रवृत्ति बढ़ी है तथा सामान्य प्रसव कम हुआ है। यद्धपि भारतीय चिकित्सा आयुर्वेद में भी सिजेरियन प्रसव बढें है और सामान्य प्रसव में निरन्नतर कमी आयी है।

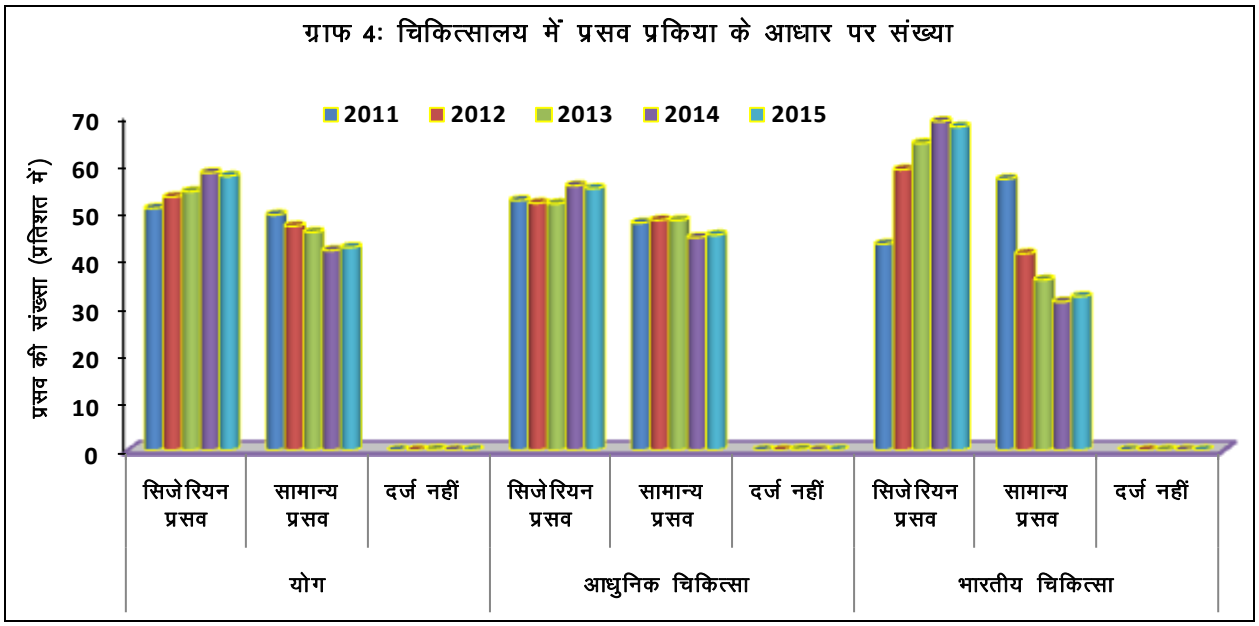

(स) चिकित्सालय मे वर्षवार और उम्रवार प्रसव प्रकिया के आधार पर प्रसव की संख्या :

चिकित्सालय में मातृत्व के लिए आयी स्त्रीयों को उनकी उम्र के अनुसार प्रत्येक वर्ष हुए प्रसव की संख्या को प्रसव प्रक्रिया के आधार पर आँकड़ों को सांरणी 4 में दिखाया गया है। आँकड़ो से स्पष्ट है कि वर्ष 2011 में कुल 2,344 प्रसव हुऐ जिनमें से 1,188 प्रसव सिजेरियन तथा 1,156 सामान्य प्रसव है। सिजेरियन प्रसव में से आयु 20–24 तथा आयु 25–29 के मध्य सिजेरियन का प्रसव क्रमशः 34.68 प्रतिशत तथा 40.66 प्रतिशत था जबकि सामान्य प्रसव उपयुक्त आयु के मध्य प्रसव की संख्या क्रमशः 448 (34.68 प्रतिशत) तथा 490(42.39 प्रतिशत) था अर्थात वर्ष 2011 में सामान्य प्रसव की संख्या अधिक रही। उपयुक्त आँकड़ों के विपरीत वर्ष 2015 में चिकित्सालय में 2,844 प्रसव में से 1,207 सामान्य प्रसव 1,632 सिजेरियन प्रसव हुऐं।

सामान्य प्रसव में से 470 (41.76 प्रतिशत) आयु 20–24 वर्ष के जबकि 504(38.94 प्रतिशत) प्रसव 25–29 वर्ष की आयु के हुए। सांरणी से स्पष्ट है कि सिजेरियन प्रसव 552(33.82 प्रतिशत) तथा 707 (43.32 प्रतिशत) प्रसव क्रमशः आयु वर्ग 20–24 तथा 25–29 के मध्य है ।

सांरिणी 4: चिकित्सालय में हुऐं प्रसव प्रकिया का वर्षवार और उम्रवार विवरण

वर्ष	प्रसव प्रकिया	कुल प्रसव	उम्र नुसार प्रसव की संख्या (प्रतिशत में)						
			< 20	20-24	25-29	30-34	35-39	40-44	45 +
2011	सिजेरियन प्रसव	1188	1.43	34.68	40.66	17.51	4.97	0.67	0.08
	सामान्य प्रसव	1156	2.51	38.75	42.39	12.37	3.63	0.17	0.17
	दर्ज नहीं	-	-	-	-	-	-	-	-
2012	सिजेरियन प्रसव	1375	2.25	31.71	45.53	15.49	4.51	0.44	0.07
	सामान्य प्रसव	1217	3.29	40.35	38.7	13.89	3.45	0.33	-
	दर्ज नहीं	-	-	-	-	-	-	-	-
2013	सिजेरियन प्रसव	1348	1.11	38.06	41.17	15.36	3.93	0.37	-
	सामान्य प्रसव	1136	2.46	39.00	39.35	15.14	3.43	0.62	-
	दर्ज नहीं	3	-	-	-	-	-	-	-
2014	सिजेरियन प्रसव	1515	0.99	33.33	42.51	17.1	5.81	0.26	-
	सामान्य प्रसव	1088	1.56	40.99	40.07	12.78	3.86	0.64	0.09
	दर्ज नहीं	10	-	-	-	-	-	-	-
2015	सिजेरियन प्रसव	1632	0.80	33.82	43.32	16.3	5.02	0.74	-
	सामान्य प्रसव	1207	1.41	38.94	41.76	14.00	3.48	0.41	-
	दर्ज नहीं	5	-	-	-	-	-	-	-

ग्राफ 5 से स्पष्ट है कि आयु वर्ग 20–29 के बीच प्रसव की संख्या अधिक है अन्य किसी आयु वर्ग के। आयु बर्ग 40–44 के बीच प्रत्येक वर्ष सामान्यतः 15 से कम प्रसव हुऐ जिनका प्रत्येक वर्ष कुल प्रसव मे से सिजेरियन तथा सामान्य प्रसव का प्रतिशत एक से भी कम है।

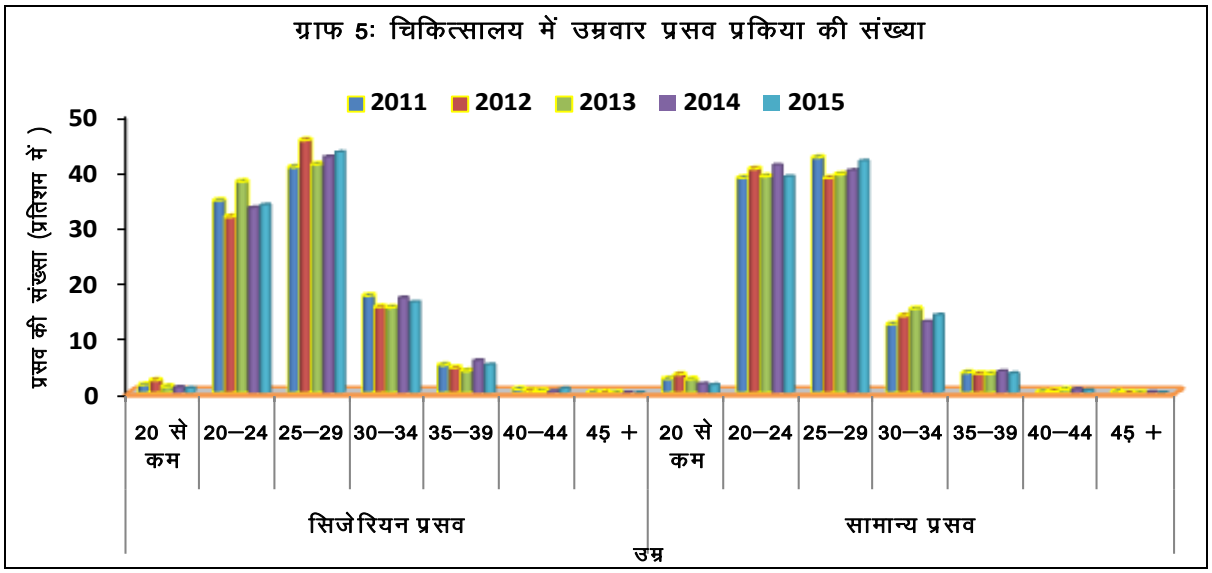

(द) चिकित्सालय मे हुऐं वर्षवार और लिंगवार नवजात षिषुओं की संख्या :

चिकित्सालय में हुऐं प्रसव के आधार पर नवजात शिशु का लिंग वर्गीकरण के आँकड़ों को सांरिणी संख्या 5 में दर्शाया गया है। विगर्त 5 वर्षो के आँकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट है कि चिकित्सालय में प्रत्येक वर्ष प्रसव के दोरान नवजात शिशु में 51 से 55 प्रतिशत के मध्य लड़कों का जन्म हुआ जबकि 44 से 48 प्रतिशत के मध्य लड़कियों अर्थात कन्या का जन्म हुआ।

सांरिणी 5: चिकित्सालय में नवजात षिषुओं की संख्या का वर्षवार और लिंगवार विवरण

वर्ष	चिकित्सा पद्धति	कुल प्रसव	नवजात शिशु का लिंग		
			लड़का	लड़की	दर्ज नहीं
2011	आधुनिक चिकित्सा	1918	54.43	45.57	-
	भारतीय चिकित्सा	426	53.29	46.71	-
	योग	2344	54.22	45.78	-
2012	आधुनिक चिकित्सा	2126	50.80	48.26	0.94
	भारतीय चिकित्सा	466	51.93	48.07	-
	योग	2592	51.00	48.23	0.77
2013	आधुनिक चिकित्सा	1991	53.59	46.26	0.15
	भारतीय चिकित्सा	496	51.41	48.59	-
	योग	2487	53.16	46.72	0.12
2014	आधुनिक चिकित्सा	2089	52.80	47.20	-
	भारतीय चिकित्सा	524	52.67	47.33	-
	योग	2613	52.77	47.23	-
2015	आधुनिक चिकित्सा	2270	54.71	45.02	0.26
	भारतीय चिकित्सा	574	55.40	44.43	0.17
	योग	2844	54.85	44.90	0.25

वर्ष 2011 में 2,344 प्रसव मे से 54.22 प्रतिशत लड़कों का जन्म हुआ जबकि 45.78 प्रतिशत कन्या का जन्म हुआ। वर्ष 2015 मे 2,844 प्रसव हुए जिनमे से 54.85 प्रतिशत लड़कों का जन्म हुआ जबकि 44.90 प्रतिशत कन्या का जन्म हुआ । आधुनिक चिकित्सा पद्धति मे 2,270 प्रसव मे से 54.71 प्रतिशत लड़कों का तथा 45.02 प्रतिशत कन्या जन्म हुआ। इसी प्रकार भारतीय चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद मे 574 प्रसव मे से 55.40 प्रतिशत लड़कों का तथा 44.43 प्रतिशत कन्या जन्म हुआ। (चिकित्सालय मे प्रसव के दौरान कई जुड़वाँ और तीन का जन्म भी हुआ है) ग्राफ 6 से स्पष्ट है कि प्रत्येक वर्ष नवजात शिशु के जन्म में लड़कों की संख्या लड़कियों के अपेक्षा ज्यादा है।

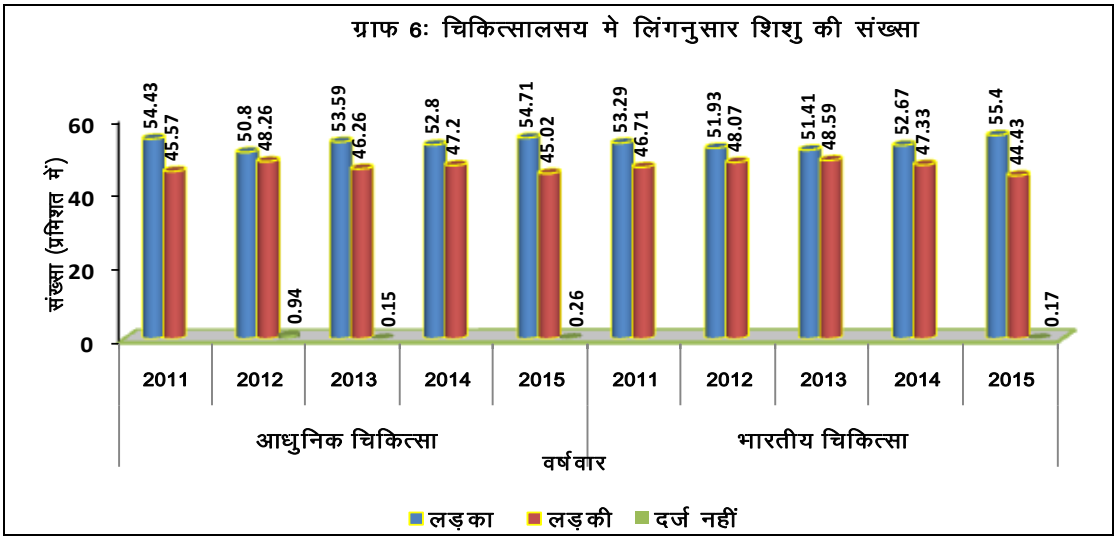

चिकित्सालय में कुछ स्त्री ऐसी भी आयी जिनके शिशुओं की अंतर्गभाशयी मृत्यु हो गयी। ऐसे प्रसव की संख्या वर्ष 2011 में 32 थी जबकि वर्ष 2015 ऐसे मातृत्व स्त्री की संख्या 89 हो गयी। ऐसे प्रसव भारतीय चिकित्सा आयुर्वेद में बहुत कम आये जबकि इनकी संख्या आधुनिक चिकित्सा पद्धति में अधिक है। ग्राफ 7 से स्पष्ट है कि आधुनिक चिकित्सा पद्धति में ऐसे स्त्री मरीजों की संख्या निरंतर बढ़ी है जिनके शिशुओं की अंतर्गभाशयी मृत्यु हुई है।

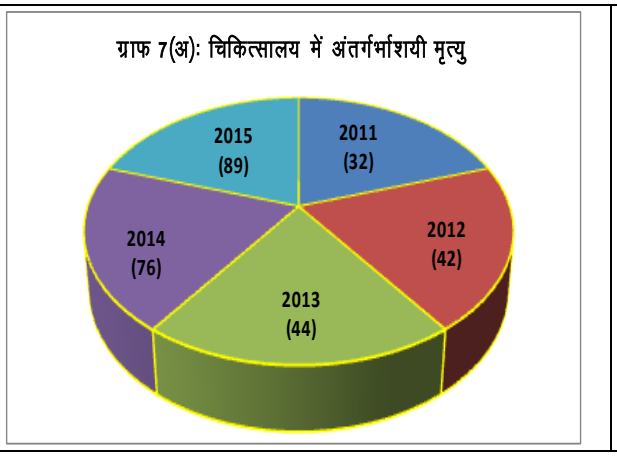

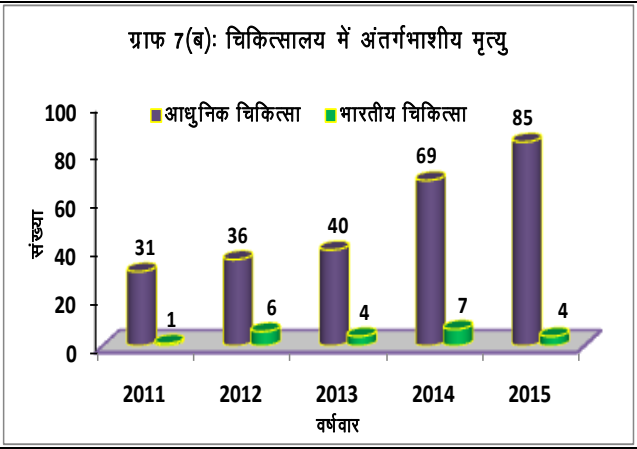

(य) चिकित्सालय मे वर्षवार और राज्यवार हुऐं प्रसव की संख्या : वर्ष 2011 में चिकित्सालय में कुल 2,344 प्रसव हुए उनमें से उत्तर प्रदेश राज्य के 1,906 (81.31 प्रतिशत) प्रसव, बिहार राज्य के 416 (17.75 प्रतिशत) प्रसव, मध्य प्रदेश राज्य के 8 (0.34 प्रतिशत) तथा अन्य राज्यों के 14 (0.6 प्रतिशत) प्रसव हुए जबकि वर्ष 2015 में कुल 2,844 प्रसव हुए जिनमें से उत्तर प्रदेश राज्य के 2,394 (84.18 प्रतिशत) प्रसव जो वर्ष 2014 से अधिक है। वर्ष 2015 बिहार राज्य के 419 (14.73 प्रतिशत) प्रसव हुए जो भी वर्ष 2014 से अधिक है।

सांरिणी 6: राज्य अनुसार चिकित्सालय में हुऐं प्रसव की संख्या का विवरण

वर्ष	चिकित्सा पद्धति	कुल प्रसव	प्रसव की संख्या		
			उत्तर प्रदेश	बिहार	अन्य राज्यों
2011	आधुनिक चिकित्सा	1918	77.84	21.01	1.15
	भारतीय चिकित्सा	426	96.95	3.05	-
	योग	2344	81.31	17.75	0.94
2012	आधुनिक चिकित्सा	2126	78.46	20.56	0.99
	भारतीय चिकित्सा	466	94.42	5.36	0.21
	योग	2592	81.33	17.82	0.85
2013	आधुनिक चिकित्सा	1991	78.25	20.64	1.10
	भारतीय चिकित्सा	496	94.76	4.84	0.40
	योग	2487	81.54	17.49	0.97

2014	आधुनिक चिकित्सा	2089	80.71	18.48	0.81
	भारतीय चिकित्सा	524	95.80	4.20	0.00
	योग	2613	83.74	15.61	0.65
2015	आधुनिक चिकित्सा	2270	81.28	17.40	1.32
	भारतीय चिकित्सा	574	95.64	4.18	0.17
	योग	2844	84.18	14.73	1.09

वर्ष 2014 में चिकित्सालय में कुल 2,613 प्रसव हुए जिनमे से उत्तर प्रदेश राज्य के पूर्वाचल क्षेत्र के जनपद से आने वालें मरीजों के प्रसव की संख्या 2,188(83.74 प्रतिशत) थी जो वर्ष 2015 हुए कुल 2,844 प्रसप में यह बढ़ कर 2,394 (84.18 प्रतिशत) हो गयी। बिहार राज्य से आने वाले मरीजों के प्रसव की संख्या मे वर्ष 2015 के सापेक्ष वर्ष 2014 मे प्रसव अधिक हुए। आधुनिक चिकित्सा पद्धति के अन्तगर्त बिहार राज्य से आने वाले मरीजों के प्रसव का अनुपात भारतीय चिकित्सा पद्धति से हुए प्रसव से अधिक है।

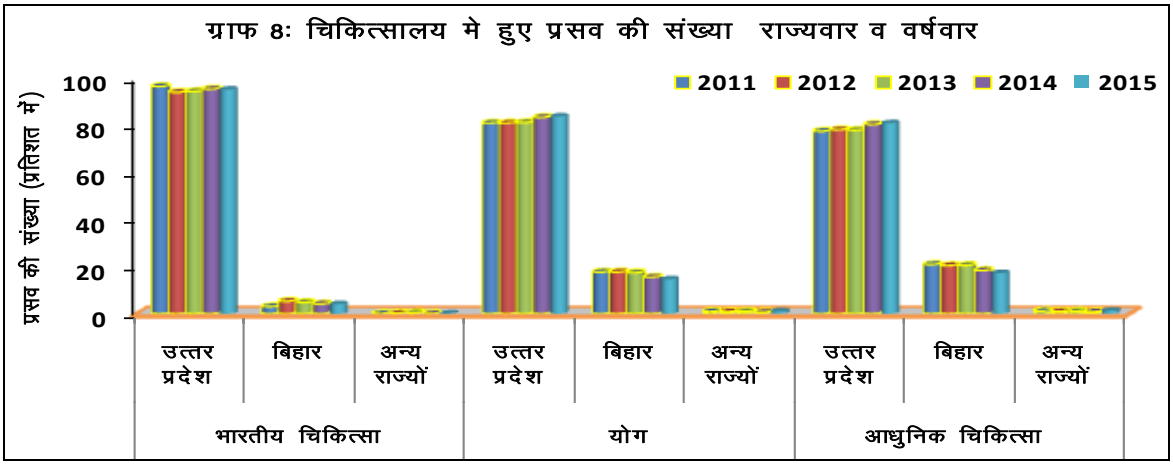

सांरिणी 7: राज्य अनुसार चिकित्सालय में हुऐं प्रसव की संख्या का विवरण

राज्य का नाम	जिलें का नाम	प्रसव की संख्या				
		2011	2012	2013	2014	2015
उत्तर प्रदेश		1906 (81.31)	2108 (81.33)	2026 (81.46)	2188 (83.74)	2394 (84.18)
जिले के अंदर	वाराणसी	1288 (67.58)	1382 (65.56)	1340 (66.14)	1476 (67.46)	1523 (63.62)
वाराणसी जिले से 100 किमी के अंदर आने वाले जिले	चंदौली,आजमगढ़,भदोही,गाजीपुर, जौनपुर,सोनभद,मिर्ज़ापुर	493 (25.87)	528 (25.05)	560 (27.64)	585 (26.74)	736 (30.74)
वाराणसी जिले से 100 किमी दूर वाले जिले	इलाहाबाद,बलिया,सुल्तानपुर, देवरिया,गोरखपुर,बस्ती,चित्रकुट, प्रतापगढ़	125 (6.56)	198 (9.39)	126 (6.22)	127 (5.80)	135 (5.64)
बिहार		416 (17.75)	462 (17.82)	434 (17.45)	408 (15.61)	419 (14.73)
उत्तर प्रदेश राज्य की सीमा से लगे बिहार राज्य के जिले	कैमूर,बक्सर,सिवान,गोपालगंज	212 (50.96)	227 (49.13)	206 (47.47)	205 (50.25)	202 (48.21)
उत्तर प्रदेश राज्य की सीमा से दूर बिहार राज्य के जिले	रोहतास,आरा,औरंगाबाद,भोजपुर, चम्पारन,छपरा,मोतीहारी,नेवादा, पटना,सासाराम,वैशाली,वीरपुर	204 (49.04)	235 (50.87)	228 (52.53)	203 (49.75)	217 (51.79)
मध्य प्रदेश	रीवा,सिंगरोली,सिधी,छतरपुर	8 (0.34)	10 (0.39)	10 (0.40)	9 (0.34)	19 (0.67)
पश्चिमी बंगाल, झारखड़, दिल्ली,कर्नाटक,छतीसगढ़	मुर्शीदाबाद,रायपुर,पलामू	14 (0.6)	12 (0.46)	13 (0.52)	8 (0.31)	12 (0.42)
राज्य व जिले के नाम जो दर्ज नही हैं		-	-	4 (0.16)	-	-

वर्ष 2011 में चिकित्सालय में कुल 2,344 प्रसव हुए उनमें से उत्तर प्रदेश राज्य के 1,906 (81.31 प्रतिशत) प्रसव, बिहार राज्य के 416 (17.75 प्रतिशत) प्रसव, मध्य प्रदेश राज्य के 8 (0.34 प्रतिशत) तथा अन्य राज्यों के 14 (0.6 प्रतिशत) प्रसव हुए जबकि वर्ष 2015 में कुल 2,844 प्रसव हुए जिनमें से उत्तर प्रदेश राज्य के 2,394 (84.18 प्रतिशत) प्रसव जो वर्ष 2014 से अधिक है। वर्ष 2015 बिहार राज्य के 419 (14.73 प्रतिशत) प्रसव हुए जो भी वर्ष 2014 से अधिक है। बिहार राज्य के 419 प्रसव मे से 202 (48.21 प्रतिशत) प्रसव उन जनपद से है जो उत्तर प्रदेश राज्य की सीमा से लगें बिहार के जनपद है जबकि 217 (51.79 प्रतिशत) प्रसव उत्तर प्रदेश राज्य की सीमा से दूर बिहार के जनपद है जिनका प्रतिशत वर्ष 2015 में अधिक है। बिहार राज्य के सबसें अधिक 462 प्रसव वर्ष 2012 में हुए जो वर्ष 2012 में कुल प्रसव का 17.82 प्रतिशत है।

ग्राफ 9: चिकित्सालय में विभिन्न राज्यों व जिलों सें हुए प्रसव

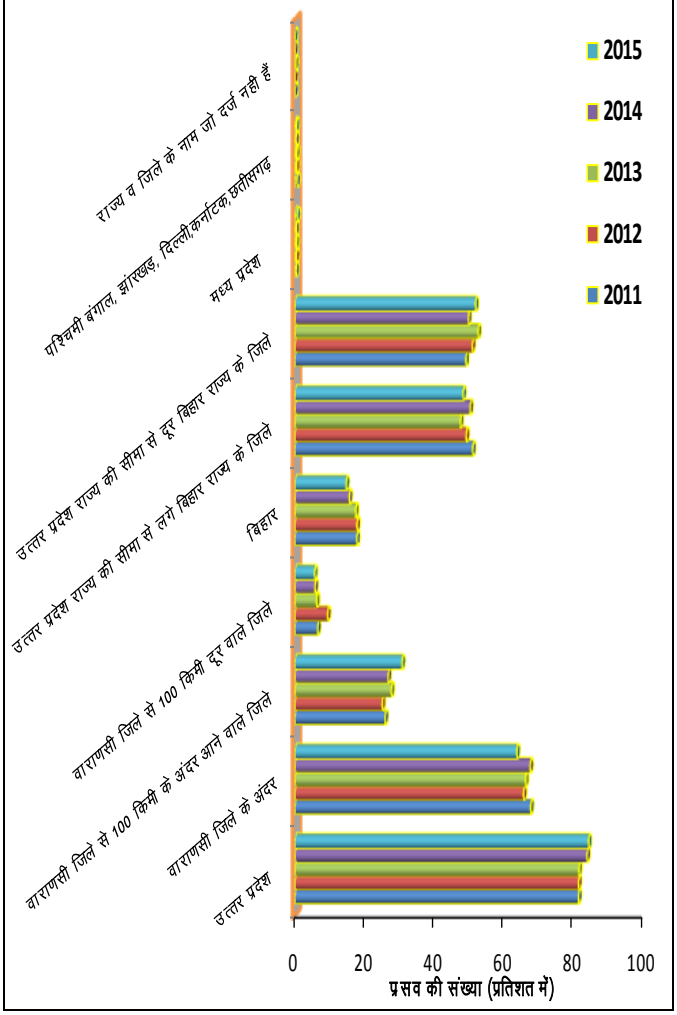

विगर्त 5 वर्षो मे मध्य प्रदेश के रीवा, सिंगरोली, सिंधी व छत्तरपुर जनपद के प्रसव की संख्या 8 से 20 के मध्य है। जबकि 8 से 15 के मध्य अन्य राज्यों के प्रसव की रही जिनमे पश्चिमी बंगाल, झारखड़, छत्तीसगढ़ आदि राज्य है।

चिकित्सालय वाराणसी जनपद में ही है इसलिए जनपद के प्रसव की संख्या अधिक है। जनपद के हुए प्रसव की संख्या मे प्रत्येक वर्ष वृद्धि हुई है, वर्ष 2013 को छोड़ कर। वर्ष 2015 में उत्तर प्रदेश राज्य के कुल 2,394 प्रसव में से 1,523 (63.62 प्रतिशत) प्रसव वाराणसी जिलें, 736(30.74 प्रतिशत) प्रसव वाराणसी जिलें से 100 किमी के अंदर आने वाले उत्तर प्रदेश राज्य के जनपद है जबकि 135(5.64 प्रतिशत) प्रसव वाराणसी जिलें से 100 किमी से अधिक दूरी वाले उत्तर प्रदेश राज्य के जनपद है। विगर्त 5 वर्षो मे सबसे अधिक 198 प्रसव वर्ष 2012 में वाराणसी जिलें से 100 किमी से अधिक दूरी वाले उत्तर प्रदेश राज्य के जनपद के है ।

ग्राफ 9 से स्पष्ट है कि चिकित्सालय मे वर्ष 2013 से उत्तर प्रदेश एवम् प्रदेश के वाराणसी जनपद में प्रसव की संख्या वृद्धि हुई है, यह भी स्पष्ट है कि मध्य प्रदेश राज्य के प्रसव में भी वर्ष 2014 से वर्ष 2015 मे तीव्र वृद्धि हुई हैं। ग्राफ के अवलोकन से यह भी पता चलता है कि बिहार राज्य के दूर–दराज के जनपद के प्रसव की संख्या चिकित्सालय मे अधिक हैं।

निष्कर्ष

सर सुन्दरलाल चिकित्सालय वाराणसी का प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग का प्रसव कक्ष/मातृत्व अत्याधुनिक सुविधाओं से उपलब्ध है जहाँ पर प्रसव प्रकिया वरिष्ठ चिकित्सक की देख–रेख में होती है तथा चिकित्सालय में स्त्री रोग तथा गर्भिणी स्वास्थ्य रक्षा हेतु अनेक विशिष्ट सुविधाएं उपलब्ध है, जिसके कारण वाराणसी की जनता के साथ–साथ पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश से आने वाले हजारों मरीजों की सेवा कर महामना पंड़ित मदनमोहन मालवीय जी के सपनों को साकार कर रहा है। उपयुक्त अनुसंधान लेख से निम्न निष्कर्ष उजागर होते है :–

- आधुनिक चिकित्सा पद्धति के प्रसूति एवं स्त्री रोग के बहिरंग विभाग में वर्ष 2015 मे 43,604 मरीज अपना इलाज कराने आये थे।
- 2,270 प्रसव लेवर रूम व मेटिनिटी वार्ड में सलाहाकार (चिकित्सकं) की देखरेख मे हुऐं जो वर्ष 2014 मे हुए प्रसव की तुलना मे 181 अधिक है।
- भारतीय चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद के प्रसूति तंत्र ओ.पी.डी. मे वर्ष 2015 मे 16,593 मरीज अपना इलाज कराने आये तथा 574 प्रसव हुऐं ।
- चिकित्सालय मे सिजेरियन प्रसव प्रकिया मे निरंन्तर वृद्धि हुई और सामान्य प्रसव प्रकिया मे कमी आयी है। यह प्रचलन आयुर्वेद (भारतीय चिकित्सा पद्धति) में भी देखने को मिलता है।
- 5 वर्षो के आँकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट है कि चिकित्सालय में प्रत्येक वर्ष प्रसव के दौरान नवजात शिशु में 51 से 55 प्रतिशत के मध्य लड़कों का जन्म हुआ जबकि 44 से 48 प्रतिशत के मध्य कन्या अर्थात लड़कियों का जन्म हुआ।

उपयुक्त आंकड़ो और निष्कर्ष के आधार पर चिकित्सालय के प्रसव कक्ष/मातृत्व अत्याधुनिक चिकित्सीय उपकरणों से लैंस और अधिक सुविधाजनक बनाना चाहिए तथा भारतीय चिकित्सा पद्धति (आयुर्वेद) के द्वारा ऐसा अनुसंधान करना चाहिए कि प्रसव मे सिजेरियन प्रकिया की आवश्यकता कम से कम हो।

संदर्भ

1. वार्षिक रिपोर्ट 2010: सर सुन्दर लाल चिकित्सालस, चिकित्सा अभिलेख अनुभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी ।
2. वार्षिक रिपोर्ट 2011: सर सुन्दर लाल चिकित्सालस, चिकित्सा अभिलेख अनुभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी ।
3. वार्षिक रिपोर्ट 2012: सर सुन्दर लाल चिकित्सालस, चिकित्सा अभिलेख अनुभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी ।
4. वार्षिक रिपोर्ट 2013: सर सुन्दर लाल चिकित्सालस, चिकित्सा अभिलेख अनुभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी ।

5. वार्षिक रिपोर्ट 2014ः सर सुन्दर लाल चिकित्सालस, चिकित्सा अभिलेख अनुभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी ।
6. वार्षिक रिपोर्ट 2013ः काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी ।
7. जन्म रजिस्टर, वर्ष 2011 से वर्ष 2015 ।
8. शर्मा संदीप कुमार, आलम मकबूल और सिंह अजय ;2015द्धण सर सुन्दर लाल चिकित्सालयः एक सांख्यिकी विश्लेषण International Journal of Applied Research, Publisher Tirupati Journal Solutions, Delhi. Vol.1, No.13, pp. 488-496, December, 2015.
9. www.bhu.ac.in
10. www.bhu.ac.in/ims/
11. www.bhu.ac.in/ims/hospital/